Raj Express (Indore), 28th November 2023, Page - 03

सुधार

आईआईटी में महिलाओं का जेंडर रेशियो हो रहा ठीक

बेटियों को एडमिशन देने में आईआईटी अग्रणी

इंदौर ■ पीयूष मौर्य

बेटियों को एडमिशन देने के मामले में नए आईआईटी में आईआईटी इंदौर पास हो गया है। इस शैक्षणिक सत्र में आईआईटी इंदौर में 23 फीसदी सीटों पर महिलाओं को एडमिशन मिला है, जबकि जेंडर रेशियो ठीक रखने के लिए ज्वाइंट एडमिशन बोर्ड आईआईटी कॉलेजों में महिलाओं के लिए 20 फीसदी सीटें निर्धारित हैं। ये सीटें सुपर न्यूमेरी के तहत महिलाओं के लिए ही आवंटित की जाती हैं। इस आदेश के बाद आईआईटी में महिलाओं का जेंडर रेशियो ठीक हो रहा है।

- देश में कुल आईआईटी- 23
- आईआईटी में कुल सीटें- 17385.
- आईआईटी में कुल प्रवेश- 17340
- कुल बेटियों का प्रवेश- 3422
- महिलाओं के लिए 20 फीसदी सीटें हैं रिजर्व

इनका कहना

गर्ल्स के लिए 20 फीसदी सीट निर्धारित है। हमारे संस्थान में 23 फीसदी सीटों पर गर्ल्स को एडमिशन दिया गया है।

■ सुनिल कुमार
पीआरओ, आईआईटी इंदौर

एडमिशन बोर्ड ने बेटियों के लिए 20 फीसदी सीट निर्धारित की है। ये सीटें सुपर न्यूमेरी के तहत बेटियों को आवंटित की जाएंगी। इस आदेश के बाद आईआईटी में बेटियों के प्रवेश लेने का स्तर सुधर रहा है।

सुधर रहा है प्रवेश लेने का स्तर

11 आईआईटी में 20 फीसदी सीटों पर बेटियों ने एडमिशन लिया है, जबकि 12 आईआईटी में 20 फीसदी से कम एडमिशन हुए हैं। आईआईटी खड़गपुर इस मामले में सबसे फिसड्डी साबित हुआ है। वहीं कानपुर, दिल्ली, मद्रास पास हो गए हैं, लेकिन देश में स्टूडेंट्स की पहली पसंद आईआईटी बांबे पिछड़ गया है। यह खुलासा जेईई एडवांस्ड 2023 की वार्षिक रिपोर्ट में हुआ है। जानकारों के अनुसार देश के सभी आईआईटी में लिंगानुपात कम करने के लिए ज्वाइंट